



न्यायालय

## सहायक कलक्टर / उपखण्ड अधिकारी

गुड़ामालानी-बाड़मेर

(पीठासीन अधिकारी -केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)

प्रार्थना पत्र सं.: -2024 / 264

दर्ज तिथि:-02.07.2024

1. मोहनलाल पुत्र सुरताराम
2. रावताराम पुत्र सुरताराम  
जाति विश्नोई निवासी चकगुड़ा तहसील गुड़ामालानी जिला बाड़मेर

.....प्रार्थी

बनाम

1. सुगणी पत्नी सुजानाराम  
जाति विश्नोई निवासी नेडीनाडी तहसील धोरीमन्ना जिला बाड़मेर
2. द्रोपा पत्नी बलुराम  
जाति विश्नोई निवासी पादरड़ी तहसील गुड़ामालानी जिला बाड़मेर
3. गणपतसिंह पुत्र सुल्तानसिंह
4. जोरसिंह पुत्र सुल्तानसिंह
5. शैतानसिंह पुत्र सुल्तानसिंह
6. दरिया कंवर पत्नी सुल्तानसिंह
7. मलसिंह पुत्र भीखसिंह
8. मंगलसिंह पुत्र भीखसिंह
9. गुमानसिंह पुत्र भीखसिंह  
जाति राजपूत निवासी चकगुड़ा तहसील गुड़ामालानी जिला बाड़मेर
10. देदाराम पुत्र भेराराम  
जाति जाट निवासी ढीमड़ी तहसील गुड़ामालानी जिला बाड़मेर
11. चिमाराम पुत्र जगाराम  
जाति मेगवाल निवासी धोरीमन्ना तहसील धोरीमन्ना जिला बाड़मेर
12. अधिशाषी अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग गुड़ामालानी

..... असल अप्रार्थीगण

13. शाखा प्रबंधक एसबीआई बैंक शाखा गुड़ामालानी
14. शाखा प्रबंधक एसबीबीजे बैंक शाखा गुड़ामालानी
15. शाखा प्रबंधक आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड शाखा रामजी का गोल तहसील  
गुड़ामालानी
16. तहसीलदार गुड़ामालानी जिला बाड़मेर

..... तकमीली अप्रार्थी



उपस्थित अधिवक्ता

प्रार्थी:-श्री मानाराम विश्नोई

अप्रार्थीगण:-श्री डालुराम चौधरी

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा-128

राजस्थान भू-राजस्व अधि-1956

**-:निर्णय:-**

निर्णय तिथि:-29.09.2025

1. आज यह पत्रावली प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा-128 राजस्थान भू-राजस्व अधि-1956 वास्ते निर्णय हेतु पेश हुई। प्रकरण का सुक्ष्म वृत्तान्त इस प्रकार से है कि प्रार्थीगण द्वारा प्रार्थना पत्र पेश कर निवेदन किया कि प्रार्थीगण की हाल आराजी खसरा संख्या 138/101/1.6107 है0, 137/101/1.6106 है0 मौजा चकगुड़ा पटवार मण्डल आलपुरा तहसील गुड़ामालानी जिला बाड़मेर में स्थित है। उक्त वर्णित आराजी प्रार्थीगण की कब्जेकाश्त खातेदारी की आराजी है एवं आराजी पर प्रार्थीगण काबिज रहकर बिना किसी बाधा वो रूकावट के काश्त करते चले आ रहे है। उक्त खातेदारी आराजी से अप्रार्थीगण का कोई हक संबंध किसी प्रकार का नहीं है। अप्रार्थीगण प्रार्थीगण की आराजी के कार्यकाश्त में बाधा डालते हैं। उक्त आराजी का मौके पर सीमांकन नहीं होने से प्रार्थीगण द्वारा सीमांकन कराए जाने बाबत तहसीलदार गुड़ामालानी के यहां प्रार्थना-पत्र पेश किया। जिस पर तहसीलदार गुड़ामालानी के आदेश दिनांक 22.05.2024 की पालना में दिनांक 23.05.2024 को पटवारी हल्का द्वारा उक्त आराजी का सीमांकन करवाया गया। परन्तु अप्रार्थीगण मौके पर असंतुष्ट होकर पैमाइश को नहीं मान रहे है तथा प्रार्थीगण की आराजी को अपनी आराजी में मिलाना चाहते है। अब प्रार्थीगण अपनी खातेदारी आराजी की पत्थरगढ़ी दिनांक 23.05.2024 की सीमाज्ञान रिपोर्ट के अनुसार कराना चाहते है। अंत में प्रार्थना-पत्र प्रार्थीगण स्वीकार कर आराजी उक्त की पत्थरगढ़ी मुताबिक पैमाइश के अनुसार कराए जाने के आदेश जारी करने का निवेदन किया गया।
2. प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर किया गया एवं अप्रार्थीगण को जरिये नोटिस तलब किया गया। अप्रार्थीगण संख्या 11 असागतन-वकालतन हाजिर न्यायालय हुए। शेष अप्रार्थीगण के बावजूद विधिवत तामील अनुपस्थित होने के कारण शेष अप्रार्थीगण के विरुद्ध एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई गयी। प्रकरण में अधिवक्ता अप्रार्थीगण संख्या 11 द्वारा प्रार्थना पत्र अंतर्गत धारा-151 सिविल प्रक्रिया संहिता-1908 का प्रस्तुत कर सीमाज्ञान मौका रिपोर्ट तलब किये जाने का निवेदन किया गया। उक्त प्रार्थना पत्र न्यायालय हाजा द्वारा दिनांक 16.06.2025 को स्वीकार किया जाकर तहसीलदार गुड़ामालानी से सीमाज्ञान मौका रिपोर्ट तलब की गई। तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा अपने पत्रांक/भूअ./2025/1098 दिनांक 04.07.2025 द्वारा मौका रिपोर्ट मय नजरी नक्शा प्रेषित किया गया। जिसका विवरण निम्नानुसार है:-

- कि उक्त खसरा का मूल खसरा संख्या 101/86 रकबा 3.2213 है0 का पूर्व में सीमाज्ञान किया जा चुका है। लेकिन बाद में मूल खसरा संख्या विभाजित होकर विभाजन से दो टुकड़ों में बंट गया। कार्यालय

जिला कलक्टर (भू.अ.) बाड़मेर से जारी सेटलमेंट शीट संख्या 2520 जारी दिनांक 23.06.2025 से उक्त भूमि की जरीब चलाकर मुस्तिकल बिन्दु कायम करते हुए पैमाइश की। पड़ोसी खसरों से सेढा को लेकर विवाद व ढीमड़ी की सीमा के कारण खातेदारों के बीच विवाद कायम होने से सीमाज्ञान पूर्ण नहीं किया जा सका।

3. प्रकरण में अधिवक्ता अप्रार्थी संख्या 11 द्वारा जवाब प्रस्तुत नहीं कर सीधे बहस का निवेदन किया गया। न्यायालय द्वारा विद्वान अधिवक्ता उभयपक्षकारान की बहस सुनी गई। दौराने बहस प्रार्थी अधिवक्ता द्वारा प्रार्थना-पत्र में अंकित तथ्यों को दोहराते हुए प्रार्थना-पत्र प्रार्थीगण स्वीकार कर आराजी की मुताबिक पैमाइश दिनांक 23.05.2024 के अनुसार पत्थरगढी के आदेश जारी करने का निवेदन किया है। दौराने बहस अप्रार्थी अधिवक्ता द्वारा निम्न प्रकार निवेदन किया गया:-

- कि प्रार्थीगण की उक्त आराजी सड़क के किनारे अवस्थित है। जिसका प्रार्थीगण द्वारा उक्त आवेदन पेश करने के पश्चात् उक्त आराजी के खसरा संख्या 101/86 मौजा चकगुड़ा का विभाजन करवाया गया। साथ ही प्रार्थीगण द्वारा उक्त आराजी में से खसरा संख्या 101/93 का गै0मु0 वाणिज्यिक भूमि में रूपांतरण करवाया गया एवं सड़क हेतु भूमि का समर्पण करवाया गया।
- कि उक्त रूपांतरण एवं समर्पण के पश्चात् प्रार्थीगण द्वारा सड़क की क्रॉस भूमि का बैचान जरिये पंजीकृत बयनामा दिनांक 24.06.2011 द्वारा अप्रार्थी संख्या 11 को किया गया। उक्त बैचान की गई भूमि का राजस्व रिकॉर्ड में अमलदरामद किया जाकर खसरा संख्या 190/43 आवंटित किया गया।
- कि प्रार्थीगण द्वारा अप्रार्थी संख्या 11 को सड़क के क्रॉस भूमि के किये गये बैचान का पुनः बैचान किया गया। इस प्रकार प्रार्थीगण द्वारा अप्रार्थी संख्या 11 की भूमि का दोहरा बैचान करते हुए वर्तमान में अप्रार्थी संख्या 11 की खातेदारी आराजी को सड़क में अवाप्त करवाने के दुराशय से उक्त आवेदन प्रस्तुत किया गया है।
- कि तहसीलदार गुडामालानी द्वारा बिना मुस्तिकल बिन्दु कायम किये हुए किये हुए की गई है। जिससे आवेदित आराजी का सीमाज्ञान नहीं होने से नेखमबंदी किया जाना सम्भव नहीं है। तहसीलदार गुडामालानी द्वारा अस्पष्ट मौका रिपोर्ट प्रेषित की गई है। जिसमें मुस्तिकल बिन्दु एवं प्रार्थीगण एवं अप्रार्थीगण की आराजी एवं धारित रकबा का उल्लेख नहीं किया गया है।
- कि माननीय न्यायालय राजस्व मण्डल अजमेर द्वारा अपील संख्या 5752/2015 बउनवान राजेन्द्र सिंह बनाम सतवीर सिंह में निर्णय दिनांक 08.03.2017 में न्यायिक दृष्टांत प्रतिपादित करते हुए स्पष्ट किया है कि भू-अभिलेख अधिकारी/उपखण्ड अधिकारी के समक्ष नेखमबंदी हेतु आवेदन

प्रस्तुत होने पर भू-अभिलेख अधिकारी/उपखण्ड अधिकारी की देखरेख में सम्बंधित तहसीलदार से सीमा निर्धारण के संबंध में मौका रिपोर्ट तलब की जाकर भू-अभिलेख अधिकारी/उपखण्ड अधिकारी द्वारा आवेदित आराजी की सीमा निर्धारित की जावेगी। तत्पश्चात् निर्धारित सीमा पर दोनों पक्षों को सुना जाकर उक्त निर्धारित सीमा पर तहसीलदार को नेखम स्थापित किये जाने के आदेश प्रदान किये जायेंगे।

- कि उक्त न्यायिक दृष्टांत के अनुसार हस्तगत आवेदन में न्यायालय हाजा द्वारा मौका रिपोर्ट तलब की गई थी। परंतु तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा बिना मुस्तिकल बिन्दु कायम किये एवं आवेदित आराजी का सीमाज्ञान नहीं किया होने से उक्त आराजी का मुस्तिकल बिन्दु कायम करते हुए सीमाज्ञान किया जाना आवश्यक है। तत्पश्चात् उक्त आराजी के सीमाज्ञान के पश्चात् निर्धारित सीमा पर ही नेखम स्थापित किये जाने के आदेश प्रदान किये जावे।

4. मैंने बहस उभयपक्षकारान अधिवक्ता पर मनन किया। प्रकरण में सर्वप्रथम राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम-1956 की धारा-111 का उद्धरण यहां प्रासंगिक है। जो कि इस प्रकार है:-

**111. Decision of disputes as to boundaries.**—(1) *In case of any dispute concerning any boundaries the Land Records Officer shall decide such dispute, so far as possible, on the basis of the existing survey maps and, where this is not possible or such maps are not available, on the basis of actual possession.*

(2) *If, in the course of an inquiry into a dispute under this section the Land Records Officer is unable to satisfy himself as to which party is in the possession or it is shown that possession has been obtained by wrongful dispossession of the lawful occupants within a period of three months previous to the commencement of the inquiry, the Land Records Officer shall ascertain by summary inquiry who is the party best entitled to possession and shall then fix the boundary accordingly.*

5. राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम-1956 की धारा-111 के अनुसार खसरों की सीमाओं के विवाद को हाल राजस्व नक्शे के अनुसार तथा हाल राजस्व नक्शे के उपलब्ध न होने पर वास्तविक कब्जे के आधार पर निस्तारित किये जाने के प्रावधान बनाये गये हैं। खसरों की सीमाओं के विवाद को निस्तारित करने की प्रक्रिया के सम्बन्ध में राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम-1956 की धारा-128 के तहत प्रावधान बनाये गये हैं। अतः प्रकरण में साथ ही राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम-1956 की धारा-128 का उद्धरण यहां प्रासंगिक है। जो कि इस प्रकार है:-

**128. Boundary disputes.** - *All disputes concerning boundaries shall be decided by the Land Record Officer in the manner laid down in section 111:*

*Provided that applications in relation to boundaries of fields may be made to and disposed of by the Tehsildar in cases where there exists no*

*dispute as to such boundaries but on account of the absence of proper boundary marks there is the likelihood of such a dispute arising.*

6. उक्त विधिक प्रावधानों के संदर्भ में पत्रावली पर संलग्न दस्तावेजात् जमाबंदी अंतिम चौसाला आधार सम्बन्त 2073-2076 में राजस्व इन्द्राज एवं तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा किये गये सीमांकन रिपोर्ट का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया। प्रकरण में अप्रार्थी का आक्षेप है कि तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा बिना मुस्तकिल बिन्दु कायम किये हुए आवेदित आराजी की पैमाइश की गई है। जिससे आवेदित आराजी का सीमाज्ञान नहीं होने से नेखमबंदी किया जाना सम्भव नहीं है। इस संबंध में प्रार्थी द्वारा निवेदन किया गया है कि प्रार्थी द्वारा तहसीलदार गुड़ामालानी के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया गया। जिसके संबंध में हल्का पटवारी द्वारा दिनांक 23.05.2024 को आवेदित आराजी की पैमाइश की गई है। साथ ही न्यायालय द्वारा अप्रार्थीगण द्वारा प्रस्तुत मौका रिपोर्ट के प्रार्थना पत्र को दिनांक 16.06.2025 को स्वीकार किया जाकर तहसीलदार गुड़ामालानी से सीमाज्ञान रिपोर्ट तलब की गई। इस संबंध में तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा अपने पत्रांक/भू.अ./2025/1098 दिनांक 04.07.2025 द्वारा मुस्तकिल बिन्दु कायम करते हुए मौका रिपोर्ट प्रेषित की गई। अतः प्रार्थी का आवेदन किसी भी विधि से वर्जित नहीं होने के कारण स्वीकार योग्य है। प्रकरण में पत्रावली के अवलोकन से ज्ञात होता है कि प्रकरण में प्रार्थीगण द्वारा तहसीलदार गुड़ामालानी को आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिसमें तहसीलदार गुड़ामालानी के आदेश की पालना में हल्का पटवारी आलपुरा द्वारा दिनांक 23.05.2024 को मौके पर जाकर प्रार्थीगण की आराजी की पैमाइश कर बिन्दु कायम किये गये हैं। उक्त पैमाइश के दौरान माप को लेकर विवाद होने के कारण पैमाइश कार्यवाही पूर्ण नहीं हो सकी। साथ ही न्यायालय द्वारा अप्रार्थीगण द्वारा प्रस्तुत मौका रिपोर्ट के प्रार्थना पत्र को दिनांक 16.06.2025 को स्वीकार किया जाकर तहसीलदार गुड़ामालानी से सीमाज्ञान रिपोर्ट तलब की गई। इस संबंध में तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा अपने पत्रांक/भू.अ./2025/1098 दिनांक 04.07.2025 द्वारा मुस्तकिल बिन्दु कायम करते हुए मौका रिपोर्ट प्रेषित की गई है। उक्त तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा अपने पत्रांक/भू.अ./2025/1098 दिनांक 04.07.2025 के अवलोकन से ज्ञात होता है कि प्रार्थीगण के आराजी खसरा संख्या 138/101/1.6107 है0, 137/101/1.6106 है0 मौजा चकगुड़ा पटवार मण्डल आलपुरा तहसील गुड़ामालानी की पैमाइश हेतु हल्का पटवारी आलपुरा द्वारा जिला कलक्टर (भू.अ.) बाड़मेर द्वारा जारी सर्वेशीट संख्या 2520, जारी दिनांक 23.06.2025 की सहायता से जरीब चलाकर पैमाइश की गई है। जिसमें अप्रार्थीगण के साथ सीमा विवाद होने के कारण सीमाज्ञान कार्यवाही पूर्ण नहीं हो सकी। उक्त विवेचन के अनुसार स्पष्ट है कि तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा मुस्तकिल बिन्दु कायम करते हुए प्रार्थीगण की उक्त आराजी का सीमांकन करते हुए मौके की स्थिति से प्रार्थीगण को अवगत करवाया गया है। इस प्रकार प्रकरण में अप्रार्थी का उक्त आक्षेप निराधार प्रतीत होता है।
7. प्रकरण में बाद अवलोकन पाया गया कि पत्रावली पर उपलब्ध राजस्व रिकॉर्ड के अंकित इन्द्राज के अनुसार उक्त आराजी प्रार्थीगण की सालिम खातेदारी की आराजी होना साबित है। साथ ही संलग्न रिपोर्ट पैमाइश दिनांक 23.05.2024 एवं तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा पत्रांक/भू.अ./2025/1098 दिनांक 04.07.2025 द्वारा प्रेषित मौका रिपोर्ट से भी यह तथ्य प्रार्थीगण साबित है कि प्रार्थीगण द्वारा तहसीलदार गुड़ामालानी के माध्यम से हल्का पटवारी से युक्त वर्णित आराजी की पैमाइश कराई जा चुकी है। सीमाज्ञान रिपोर्ट में पटवारी हल्का द्वारा मौके पर मुस्तकिल

बिन्दु मानकर सीमाज्ञान किया। मौके पर प्रार्थीगण को सीमाचिह्न बताकर प्रार्थीगण को संतुष्ट किया गया है। तहसीलदार रिपोर्ट के अनुसार उक्त वर्णित आराजी की खसरे की सीमाओं को लेकर अप्रार्थीगण के साथ सीमा विवाद है। इस प्रकार प्रार्थीगण की अपनी कब्जेशुदा खातेदारी आराजी की सुरक्षा तथा सीमा विवाद के निस्तारण हेतु पत्थरगढ़ी के प्रार्थना पत्र को स्वीकार किया जाकर आदेश जारी किया जाना उचित प्रतीत होता है। अतः

आदेश है कि

प्रार्थना-पत्र प्रार्थीगण अंतर्गत धारा-128 भू-राजस्व अधिनियम-1956 के बाबत पत्थरगढ़ी किये जाने का स्वीकार किया जाता है। हाल आराजी खसरा संख्या 138/101/1.6107 है0, 137/101/1.6106 है0 मौजा चकगुड़ा पटवार मण्डल आलपुरा तहसील गुड़ामालानी पर प्रार्थीगण एवं संबंधित पक्षकारों/हितधारकों की पूर्व सूचित उपस्थिति में खातेदारी आराजी पर मुताबिक सीमाज्ञान पत्थरगढ़ी कर सीमा निर्धारण किये जाने के आदेश तहसीलदार गुड़ामालानी को दिये जाते हैं एवं साथ ही निर्देश दिये जाते हैं कि अप्रार्थीगण को मौके पर उपस्थित रहने बाबत जरिये नोटिस पूर्वसूचित करते हुए पत्थरगढ़ी की जाकर पालना रिपोर्ट न्यायालय को अवगत करायें। पक्षकार अपना-अपना खर्चा स्वयं वहन करेंगे।

आदेश प्रति पालनार्थ हेतु तहसीलदार गुड़ामालानी को भिजवाई जावें। अहकाम पृथक से जारी किया जावे।

यह आदेश मेरे द्वारा आज दिनांक 29.09.2025 को लिखवाया जाकर सरे-इजलास सुनाया जाकर हस्ताक्षर व मोहर युक्त जारी किया गया।

(केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)  
उपखण्ड अधिकारी  
गुड़ामालानी (बाड़मेर)